बाल महोत्सव ‘आजू गूजा’

चर्चा में क्यों?

22-23 फरवरी 2025 को राजस्थान के बीकानेर में बच्चों के लिये पहले बाल महोत्सव ‘आजू गूजा’ का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - यह महोत्सव जिला प्रशासन **द्वारा** आयोजित किया गया, जिसमें देश भर से 50 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया।
  - इसमें बच्चों को नृत्य, संगीत, चित्रकला और कई अन्य कला रूपों से परिचित कराया गया।
- **कला और शिल्प गतिविधियाँ**
  - महोत्सव में **पपेट्री, स्टोरी टेलिंग, थिएटर, चित्रकला, माइम, क्लाउन एक्ट, जादूगर शो, वेंट्रिलोक्विज़्म, कावड़, बायोस्कोप, लोक संगीत और नृत्य** जैसी गतिविधियों ने बच्चों का भरपूर मनोरंजन किया।
  - महोत्सव में विभिन्न प्रकाशकों द्वारा **बाल साहित्य पुस्तकों की प्रदर्शनी** लगाई गई, जिनमें प्रथम, नेशनल बुक ट्रस्ट, एकलव्य, अमर चित्र कथा, आदिदिव, राज कॉमिक्स और कॉलास्टिक प्रमुख रहे।

बीकानेर के बारे में

- **स्थापना**:
  - बीकानेर की स्थापना सन् 1488 ई. में, राठौड़ **राजकुमार राव बीकाजी** ने की थी।
- **भौगोलिक स्थिति**:
  - अक्षांश 28.01° उत्तर और रेखांश 73.9° पूर्व पर स्थित।
- **भौगोलिक विशेषता**:
  - रेगिस्तानी ज़िला, उत्तर-पूर्व राजस्थान में स्थित।
  - बीकानेर में कोई नदी नहीं है।
- **सीमाएँ**:
  - **उत्तर**: श्रीगंगानगर।
  - **पश्चिम**: जैसलमेर और पाकिस्तान।
  - **पूर्व**: चुरु और श्री डुंगरगढ़।
  - **दक्षिण-पूर्व**: नागौर और जोधपुर।
- **दर्शनीय स्थल:**
  - **करणी माता का मंदिर**: चूहों के मंदिर के रूप में प्रसिद्ध।
  - **मुकाम मंदिर**: बिश्नोई सम्प्रदाय का मुख्य धार्मिक स्थल।
  - जूनागढ़ **किला**: राजस्थान के सबसे सुंदर किलों में से एक।
  - **भांडशाह जैन मंदिर**: शहरी परकोटे के भीतर स्थित प्राचीन जैन मंदिर।
  - **लूणकरनसर -** खारे पानी की झील।
  - **गजनेर अभयारण्य -** बटबट(इम्पीरियल सेंडगाउज, रेत का तीतर) पक्षी तथा जंगली सुअर के लिये प्रसिद्ध है।
- **सभ्यताएँ:**
  - सोथी, पूंगल, डाडाथोरा प्राचिन सभ्यताएँ बीकानेर में है।
- **ऊँट अनुसंधान केंद्र:**
  - दुनियाँ का सबसे बड़ा ऊँट अनुसंधान और प्रजनन केंद्र बीकानेर (1984) में है।
    - बीकानेर में हर साल जनवरी में ऊँट महोत्सव का आयोजन होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/childrens-festival-aaju-goja